सिर उठा के चलो, मौली

पैटी, चित्र: डेविड, हिंदी: विदूषक

मौली लोऊ मेलन ऊंचाई में बस अपने कुत्ते जितनी थी. वो अपनी कक्षा में, ऊंचाई में सबसे छोटी लड़की थी.

लेकिन उससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ा. मौली की दादी ने उससे कहा था, "गर्व से सिर उठा कर चलो, और फिर दुनिया तुम्हारा मुंह ताकेगी."

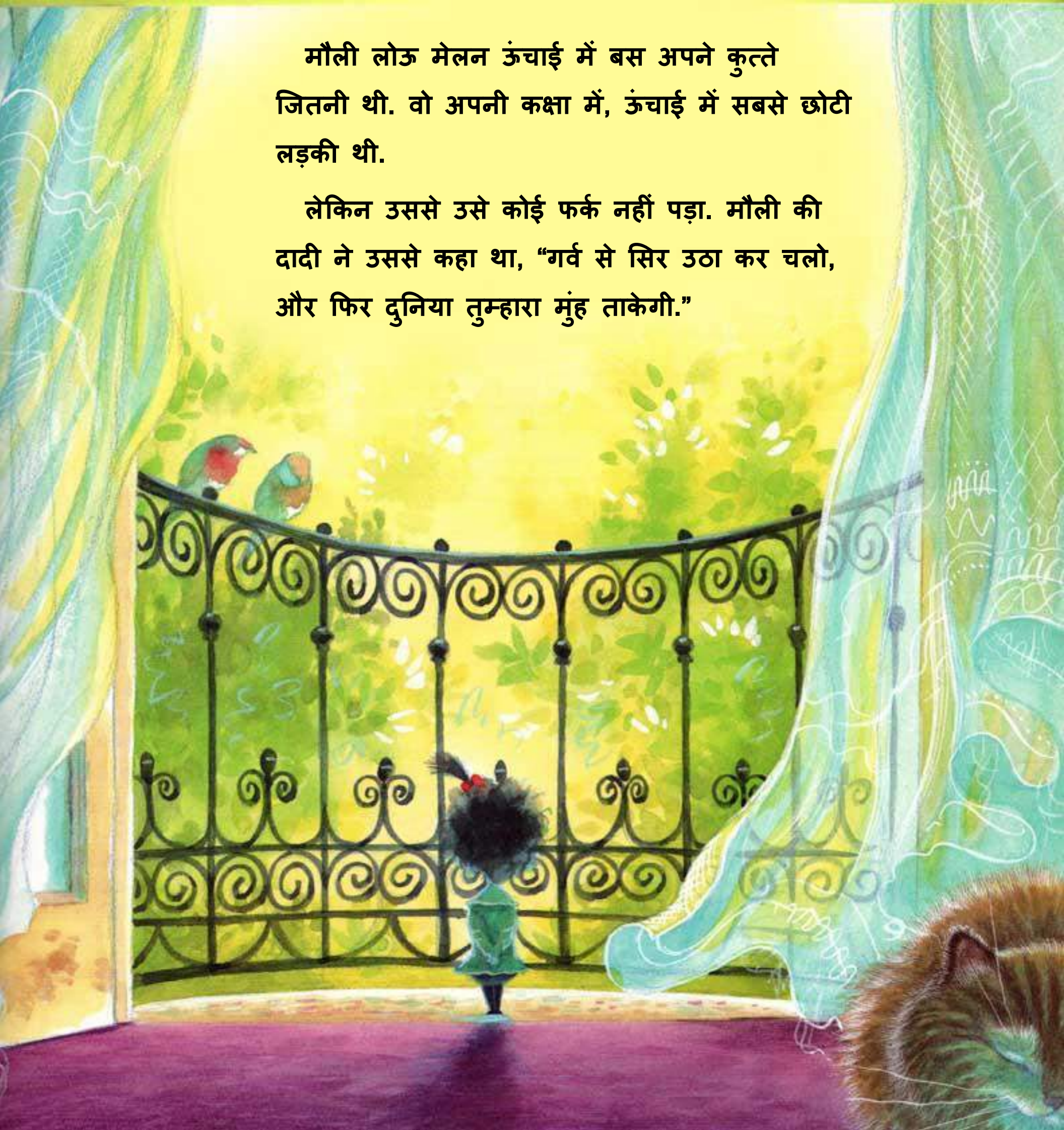

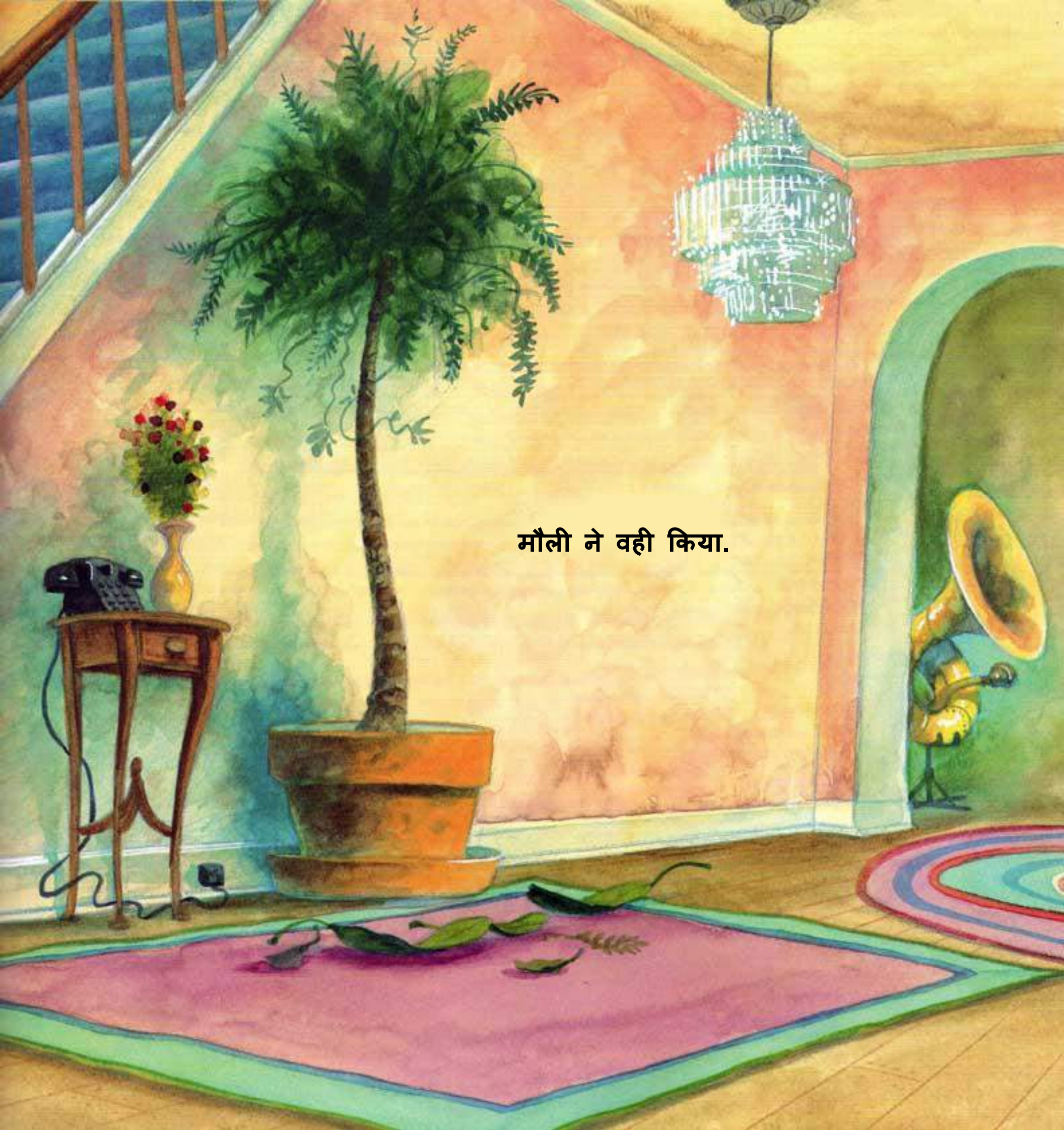

मौली ने वही किया.

YELLOW
PAGES

मौली लोऊ मेलन के दांत बाहर को निकले हुए थे. वो इतने बाहर निकले थे कि मौली उनके ऊपर सिक्के टिकाकर रख सकती थी.

लेकिन उससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ा. उसकी दादी ने उससे कहा था, “दिल खोल कर हँसो और फिर पूरी दुनिया तुम्हारे साथ-साथ हँसेगी.”

मौली ने वही किया.

मौली लोऊ मेलन की आवाज़ इतनी बेसुरी थी - जैसे अजगर द्वारा पकड़ने के बाद मेंढक टर्राता है.

लेकिन उससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ा. दादी ने उससे कहा था, “गला खोलकर जोर से गाना. फिर तुम्हारा गीत सुनकर लोगों की आँखों में ख़ुशी के आंसू छलक आएंगे.”

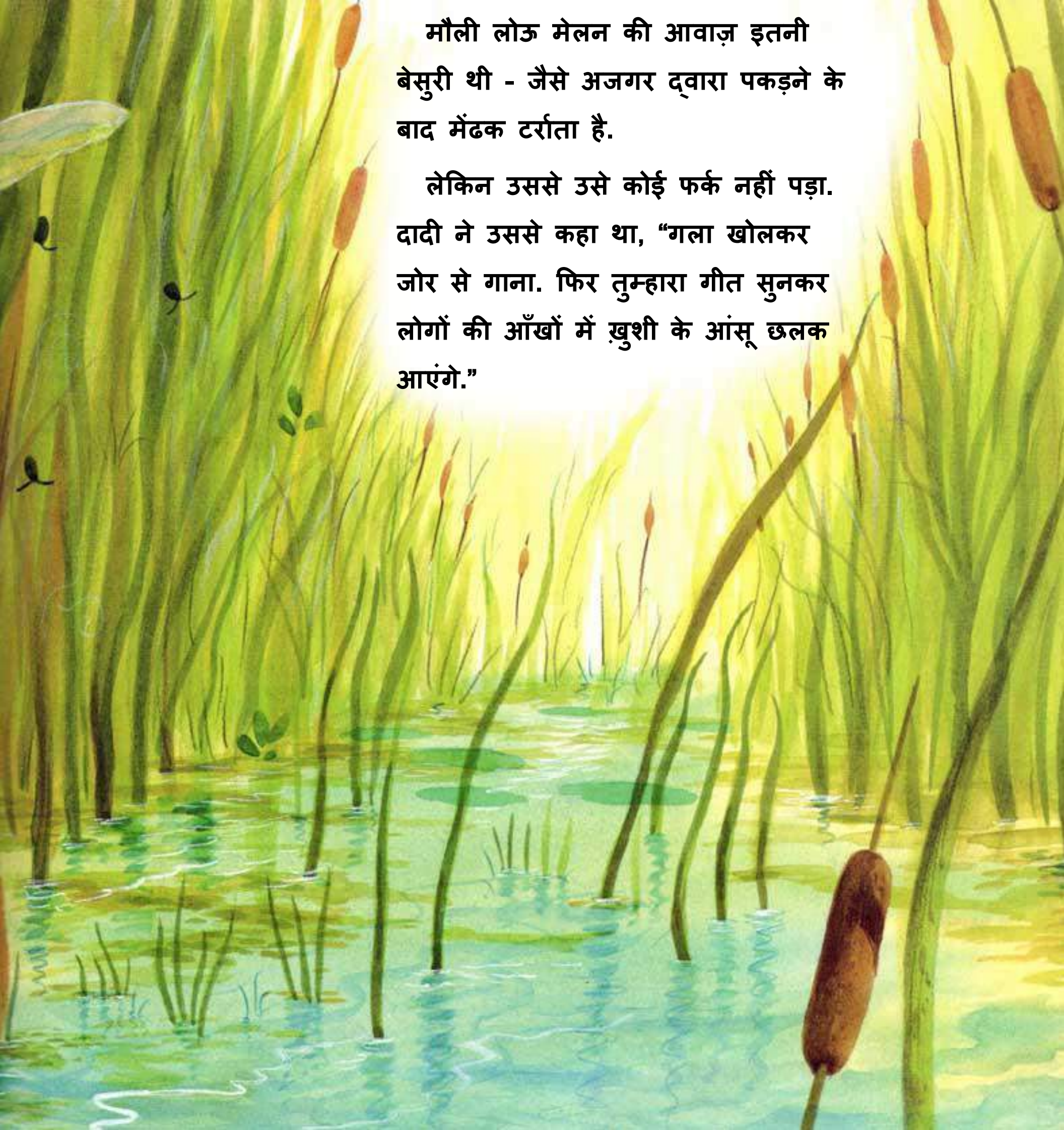

मौली ने वही किया.

मौली लोऊ मेलन के हाथ से अक्सर चीज़ें गिरती थीं.

लेकिन उससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ा. उसकी दादी ने उससे कहा था, “अपने ऊपर यकीन रखना तभी पूरी दुनिया तुम पर विश्वास करेगी.”

मौली ने वही किया.

MING

उसके बाद मौली लोऊ मेलन एक नए शहर में गई. उसने दादी और दोस्तों से अलविदा कहा.

घर बिकाऊ

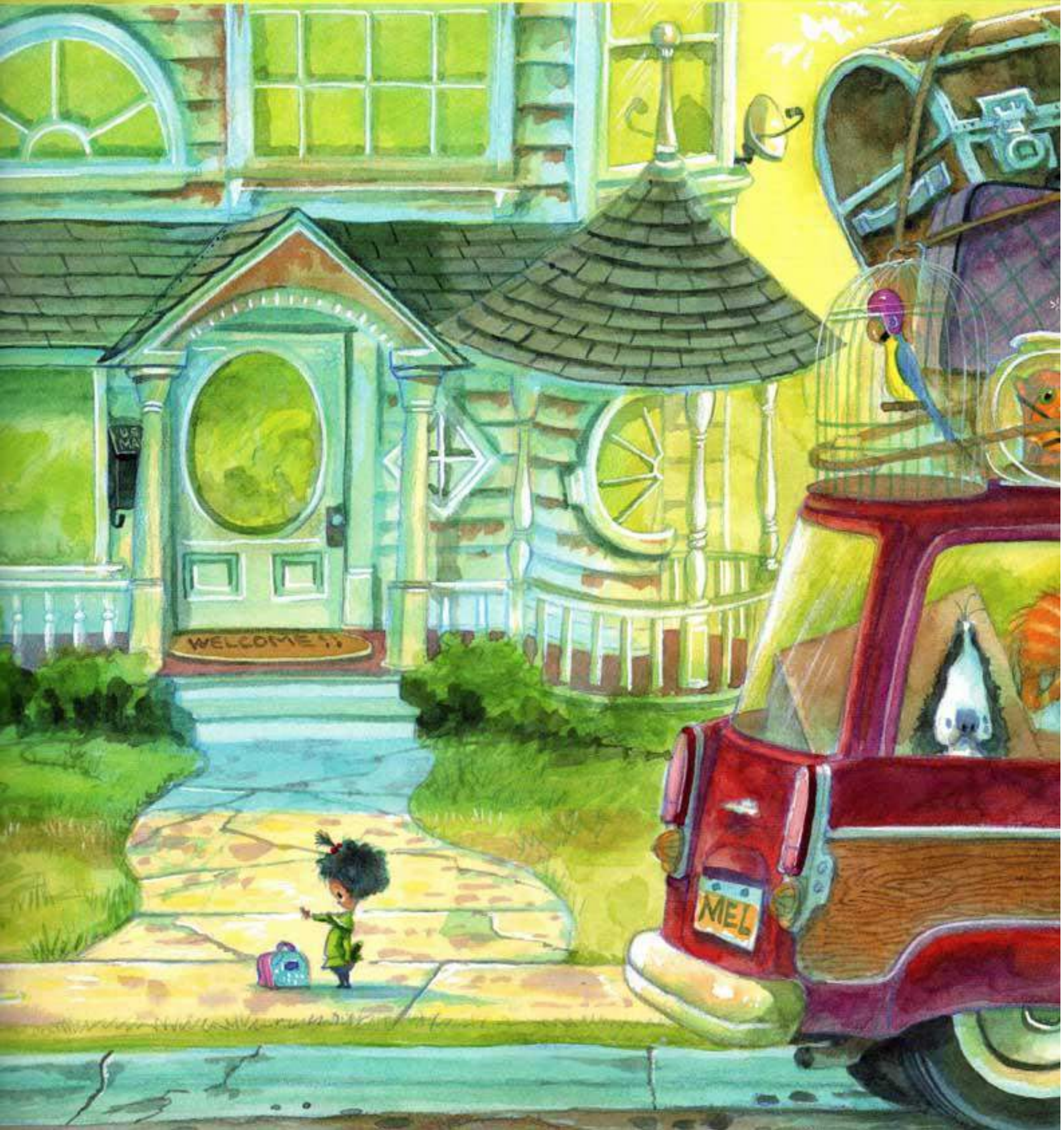
WELCOME
MEL

नए शहर में मौली एक नए स्कूल में गई.

स्कूल में पहले ही दिन, रोनाल्ड दुरकिन ने व्यायाम शाला में मौली को चिढ़ाते हुए उसे "श्रिम्पो!" बुलाया.

जब फ़ुटबाल का खेल शुरू हुआ तो मौली लोऊ मेलन ने फ़ुटबाल पकड़ी और वो रोनाल्ड दुरकिन के पैरों के बीच से निकलकर भागी और उसने अपनी टीम के लिए एक गोल दागा.

सभी बच्चों ने सोचा, "देखो! मौली तो बहुत तेज़ है!" सबको रोनाल्ड बहुत बेवकूफ नज़र आया.

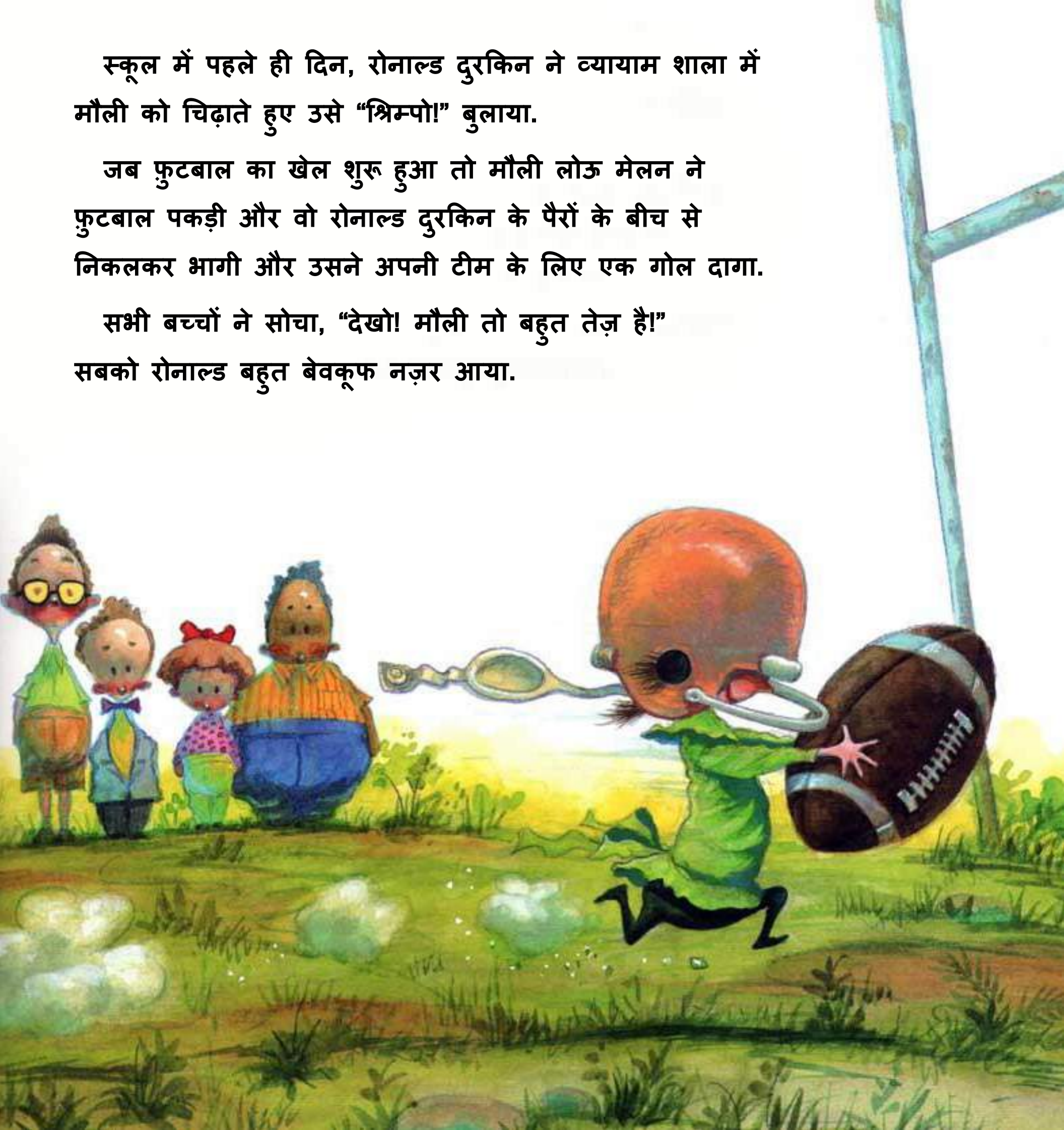

दूसरे दिन स्कूल में रोनाल्ड दुरकिन ने मौली से कहा "तुम्हारे दांत भालू जैसे बड़े हैं!"

यह सुनकर मौली ने कुछ सिक्के अपनी जेब से निकाले और उन्हें अपने दांतों पर टिकाया. उसके बाद वो खिलखिलाकर हंसी. बच्चों को यह देखकर बड़ा मज़ा आया और वे भी जोर से हँसे. रोनाल्ड दुरकिन यह देख कर खिसियाया.

स्कूल में तीसरे दिन रोनाल्ड दुरकिन ने कहा, "तुम्हारी आवाज़ एक बीमार बत्तख जैसी है – होंक! होंक!"

फिर मौली लोऊ मेलन ने "क्वेक! क्वेक!" वाला गाना अपनी ज़ोरदार आवाज़ में गाया. मौली के गाने को सुनकर रोनाल्ड दुरकिन ने कलाबाजी लगाई, जिससे उसके सिर में चोट लगी और उसे स्कूल की नर्स के पास जाना पड़ा. रोनाल्ड दुरकिन से मुक्ति पाकर बाकी बच्चे बहुत खुश हुए. रोनाल्ड दुरकिन फिर बहुत दुखी हुआ और खिसियाया.

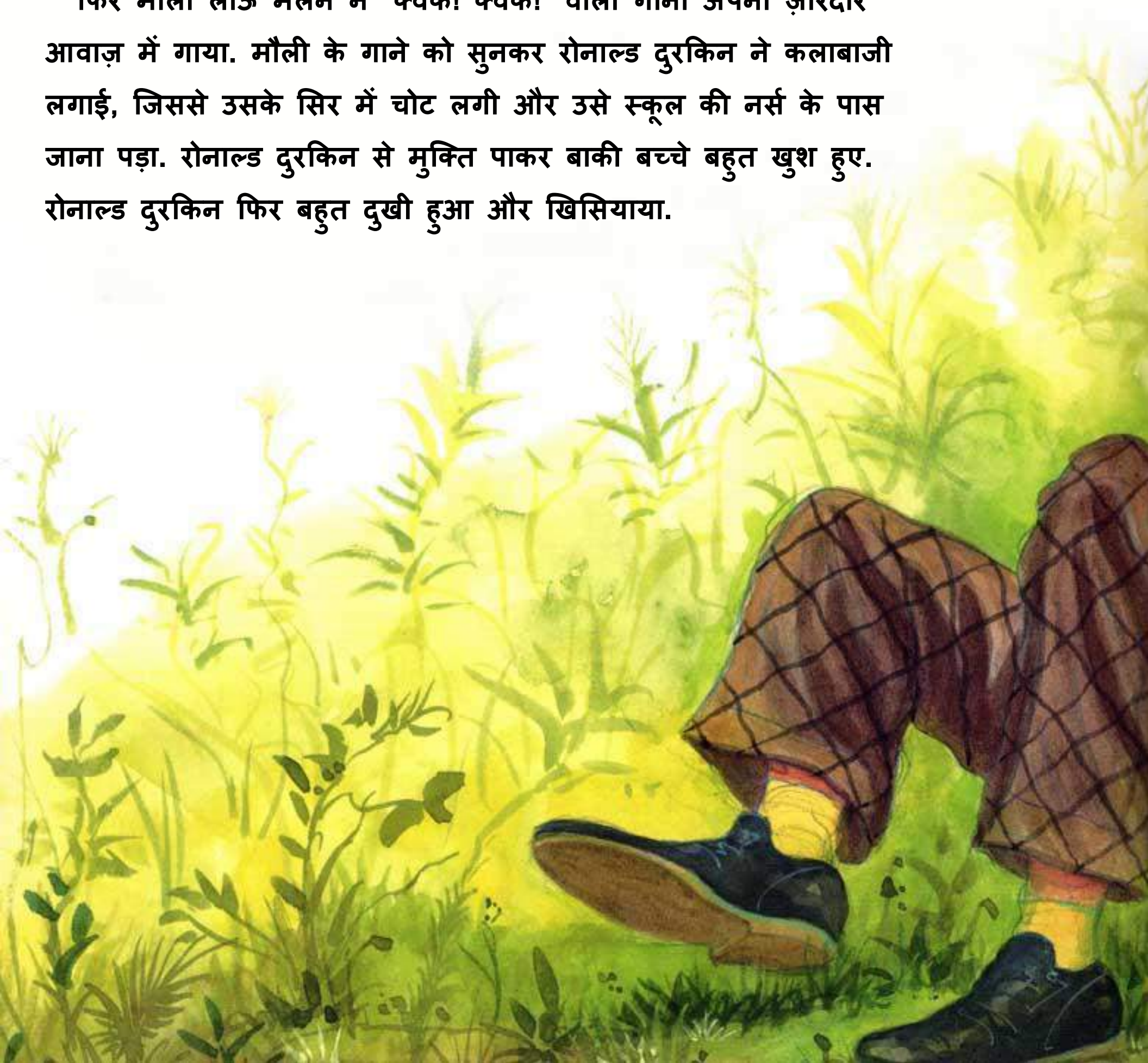

स्कूल में चौथे दिन रोनाल्ड दुरकिन ने कागज़ के “स्नोफ्लेक” बनाने की कोशिश की. भरपूर प्रयास के बाद भी उससे “स्नोफ्लेक” नहीं बने.

पर जब मौली लोऊ मेलन ने अपना कागज़ खोला तो उसमें से दुनिया के सबसे खूबसूरत बाहर “स्नोफ्लेक” निकले.

उन “स्नोफ्लेक” को देखकर सब बच्चे दंग रह गए, रोनाल्ड भी.

स्कूल में पांचवे दिन, रोनाल्ड दुरकिन ने मौली लोऊ मेलन को कुछ सिक्के दिए जिन्हें वो अपने दांतों पर टिका सके. फिर मौली को देखकर वो मुस्कुराया.

उस रात मौली लोऊ मेलन ने अपनी कागज़-पेंसिल निकाली और फिर दादी को एक चिट्ठी लिखी:

प्रिय दादी,

मैं आपको यह बताना चाहती हूँ कि आपने जो कुछ भी मुझे बताया था वो सब सच निकला!

आपकी

मौली लोऊ मेलन